

आप हमें अपने बचपन के बारे में बताइए ?

मैं न्यूयार्क सिटी में पलाबढ़ा हूं. मैं न्यूयार्क और ब्रुकलिन में मेरा बचपन बीता है. मुझे न्यूयार्क जैसे बड़े शहरों की सांस्कृतिक झलक भी करीब से देखने को मिली है. मेरी मां हम बच्चों को हर सप्ताहांत पर किसी संग्रहालय या किसी कंसर्ट को दिखाने के लिए अवश्य ले जाती थीं. आज भी मेरे जेहन में उन सुखद अनुभवों की यादें बसी हैं. बचपन से ही संगीत मेरे जीवन का हिस्सा बन गया था. हम 3 बच्चों ने बहुत छोटी उम्र में पियानो बजाना सीखना शुरू कर दिया था. संगीत के जुड़ाव ने मुझे अनुशासित रहना सिखाया. इस के साथ ही स्कूली पढ़ाई के दौरान मैं ने विज्ञान विषय चुना, जिस से मुझे इस कुदरती संसार के बारे में ढेरों जानकारीयां मिलीं.

क्या आप हमेशा से ओशियनोग्राफी से जुड़ना चाहते थे ?

सच कहूं तो नहीं. शुरुआत में विज्ञान मेरी पढ़ाई का एक औपचारिक हिस्सा था. कालेज में मैं ने मोलीक्यूलर बायोलोजी में अपनी डिग्री पूरी की. लेकिन प्रयोगशाला में अपना पूरा वक्त बिताना मुझे पसंद नहीं था. इसी दौरान मुझे



6 महीने के लिए यूरोप और ग्रीक घूमने का मौका मिला, जिस से मैं न्यूयार्क सिटी से दूर कुदरत के बेहद करीब पहुंचा. इस सफर के दौरान मुझे एशियन सागर में छोटी नावों पर सवार हो कर घूमने का मौका मिला तभी मैं ने निर्णय लिया कि मैं ओशियनोग्राफी में पीएच.डी. करूंगा और इस के बाद मैं सैन डियागो, कैलिफोर्निया के स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट से ओशियनोग्राफी पढ़ने पहुंचा. इस पढ़ाई ने मेरे

इंटर नेटवर्क मीडिया के प्रेसिडेंट पेयसन आर. स्टीवन्स न्यूयार्क सिटी यूनिवर्सिटी से मोलीक्यूलर बायोलोजी के साथ ही स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशियनोग्राफी में प्रशिक्षित साइंटिस्ट हैं. लेकिन इसी के साथ उन्होंने कला क्षेत्र में दखल देते हुए पिछले 30 सालों से बतौर आर्टिस्ट, डिजाइनर, राइटर और फिल्ममेकर के रूप में खूब नाम कमाया है. बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी पेयसन को उन के कृतित्व पर अलगअलग अवार्ड मिल चुके हैं, जिन में 1980 का गोल्डन ईगल अवार्ड भी शामिल है. 1994 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने उन के इंटर नेटवर्क को प्रेसिडेंशियल डिजाइन अवार्ड भी दिया था. हाल ही में उन्होंने अपनी चित्र प्रदर्शनी 'डार्क फोरेस्ट' का प्रदर्शन दिल्ली में किया, जिस के उद्घाटन के अवसर पर उन से हुई बातचीत के कुछ अंश यहां पेश हैं :

प्रसिद्धि का नशा नकारात्मक नशा है पेयसन आर. स्टीवन्स

प्रतिभावान कभी शांत नहीं बैठते हैं. अपनी प्रतिभा को हर क्षेत्र में आजमाते हैं और इस का उदाहरण हैं पेयसन आर. स्टीवन्स...



लिए कुदरत के अनोखे संसार में पहुंचने के दरवाजे खोल दिए.

आप ने चित्रकारी करना कब शुरू किया ?

7 साल की उम्र में मैं ने कला के प्रति पहला कदम उठाया था, जब आर्ट ऑफ ब्रुकलिन म्यूजियम की उन कक्षाओं में मैं ने प्रवेश लिया जहां बच्चों के साथ उन के मातापिता को भी प्रशिक्षित करने के लिए प्रोग्राम चलाए जाते हैं. 1964 में मैं ने न्यूयार्क के एक आर्टिस्ट से उस का छोटा सा कमरा खरीदा तो उस में उस की कई पेंटिंग्स छूट गई थीं, जिन्हें देख कर मैं ने चित्रकारी करना शुरू किया. इस के कुछ वर्षों बाद न्यूयार्क यूनिवर्सिटी में विज्ञान की पढ़ाई करते हुए आर्ट क्लासेस में दाखिला ले कर पढ़ना शुरू किया.

A warm dedication to you

Our books

The Last Chapter	Rs. 75
The Trail Blazers	Rs. 75
The Melody of Love	Rs. 50
Capit's Arrow	Rs. 55
Best stories from all over the world	Rs. 50
Heaven on Earth	Rs. 55
Time for Dying	Rs. 75
Unforgettable Romance	Rs. 75
Silver Lining	Rs. 25



Weeds
Rs. 25



वापसी
रु. 30



पराजित क्षण
रु. 40



गुनाह
रु. 45

उपन्यास

पुनीती	रु. 44
षड्यंत्र	रु. 40
बारह मील दूर	रु. 50
लुप्त करवा	रु. 30
अधूरे सपने	रु. 33
नायुक बंधन	रु. 25
पहल	रु. 25
बुंद जो बन गई मोती	रु. 25
रैत के गहल	रु. 25
पारस	रु. 40
टूटते बंधन	रु. 40
गाली नोट	रु. 20
एक बुंद सागर की	रु. 15
आंच मिचौनी	रु. 20

कहानियां

फिर बसंत आया	रु. 60
अपिशप्त जीवन	रु. 45
बंदी बने रिश्ते	रु. 30
खीचड़ का कमल	रु. 60
अंतिम पुष्पांजलि	रु. 55
भौत की घाटी एवं अन्य	
सांस्कृतिक कहानियां	रु. 35



Contact : Vishv Vijay Pte. Ltd., M-12, Connaught Circus,
New Delhi-110001, India. Ph.: 91-11-41517890

email: mybook@vishvbook.com, Visit us at : www.vishvbook.com

परिवार में चित्रकारी की प्रेरणा आप को किस से मिली ?

मेरी मां बेहद प्रतिभाशाली थीं. वह विश्वप्रसिद्ध दंतचिकित्सक थीं, इसलिए फेशल रीकंस्ट्रक्शन को बेहतर तरीके से जानने के लिए उन्होंने स्कल्पचर से जुड़ी जानकारीयां लेने के साथ आर्ट ऑफ शिकागो से पढ़ाई की थी. वह अपने लिए सोने और चांदी की ज्वेलरी खुद डिजाइन कर के बनाती थीं, जिसे वह वैक्स टेक्नीक को इस्तेमाल कर के बनाती थीं. इस विधा को मैं ने उन से सीखा था. सब से महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने मुझे न्यूयार्क के महान संग्रहालय में बारबार ले जा कर कला से प्यार करने की प्रेरणा दी.

आप की प्रतिभा को सब से पहले किस ने पहचाना ?

कह नहीं सकता. मैं हमेशा स्व:प्रेरित हो कर काम करता रहा हूँ और करता रहूंगा, यह चिंता किए बिना कि मुझे कोई सम्मान दे रहा है या नहीं. 1980 की शुरुआत में मेरी कंप्यूटर आर्ट को लोगों ने पहचाना, सम्मान दिया और उसे आर्ट हिस्ट्री बुक में प्रकाशित किया, जिस से मुझे अच्छे पैसे भी मिले.

अपनी व्यस्त और समय लेने वाले प्रोफेशन के साथ आप चित्रकारी को कैसे वक्त देते हैं ?

चित्रकारी मेरी जिंदगी से गहराई से जुड़ी हुई है. मैं अनुशासित होने के साथसाथ बेहद ऊर्जावान भी हूँ और अपनी इस क्वालिटी को बरकरार रखने के लिए रोज मेडिटेशन करता हूँ.

प्रसिद्धि, पैसा और शक्ति इन तीनों को आप अपनी जिंदगी में किस क्रम में रखते हैं और क्यों ?

जिंदगी की इस अवस्था में मैं इन्हें ज्यादा महत्व नहीं देता हूँ. यू.एस. साइंस एजेंसी के साथ जुड़ कर पर्यावरण में होने वाले बदलाव पर आधारित मेरा काम बेहद सफलता से चल रहा है, जिस के कारण मुझे बहुत सम्मान मिला और धनसंपदा की मुझे कमी नहीं है. मैं ऐसा मानता हूँ कि एक कलाकार के लिए (या किसी भी व्यक्ति के लिए, जो अपनी इच्छाओं को पूरा करना चाहता हो) प्रसिद्धि एक नशा है और यह नशा उस के समूचे व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक असर डालता है. इस से दूर रहने के लिए आप को अपनी उपलब्धियों पर लगातार निगाह रखनी पड़ती है. यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया तब तक जारी रहनी चाहिए जब तक आप अपने लक्ष्य तक न पहुंच जाएं.

आप के काम के पीछे कौन सी थीम काम करती है और आप उस में दिखाई देने वाले करेक्टर किस तरह चुनते हैं ?

मेरे 40 साल के अधिकतर आर्टवर्क में दिखाई देने वाली थीम में ऊर्जा के विभिन्न रूपों और प्राकृतिक रूप में उन की उन्मुक्तता का वर्णन है जैसे पानी, धरती, पर्वत, बादल आदि ये सभी निरंतर आपस में परिवर्तित हो रहे हैं, जैसे कि हम सभी परिवर्तित होते हैं. शायद मेरी खुद की अत्यधिक ऊर्जा और मेरा लक्ष्य मेरी प्रक्रिया का एक भाग है. जब मैं चित्रकारी करता हूँ तो इस प्रक्रिया में पूरी तरह डूब जाता हूँ और मैं जिस ऊर्जा को अपनी चित्रकारी का विषय बनाता हूँ उस की ऊर्जा का प्रवाह अपने अंदर महसूस कर सकता हूँ.

आप की भविष्य में क्या योजनाएं हैं ?

चित्रकारी, मूर्तिकारी, वीडियोग्राफी और अपनी निजी रचनात्मक योजनाओं पर लगातार काम करते रहना ही मेरी भविष्य की योजनाएं हैं. इस के अलावा मैं भारत में रह कर यहां समाजसेवा करने के लिए कृतसंकल्प हूँ. अपनी स्वयंसेवी संस्था के संस्थापक सदस्य और बोर्ड एडवाइजर होने के नाते मैं हिमाचल प्रदेश के माई हिमाचल (www.myhimachal.com) और ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क (www.greathimalyannationalpark.com) में 2000 से एडवाइजर हूँ, जिस के द्वारा मैं हिमालय को संरक्षित करने की दिशा में काम कर रहा हूँ.

- प्रतिनिधि ✎

Grishobha Magazine (India)
Interview: Payson R. Stevens Dec. 1, 2009
Translation

Payson R. Stevens, former President of InterNetwork Media, is a scientist trained in molecular biology from New York City and oceanography from Scripps Institute of Oceanography. He is also in the field of arts and during the last 30 years has been successful as an artist, writer, designer and filmmaker. Endowed with this multi-dimensional personality, Payson has received various awards for his creativity, which includes the CINE Golden Eagle Film Award in 1980. In 1994, the former American President Bill Clinton also awarded InterNetwork the Presidential Design Award. In September 2009, his 'Dark Forest' painting series was on exhibition at the American Center/US Embassy in Delhi. The following are excerpts from a talk with him on the occasion of the exhibition's inauguration:

1. Tell us about your childhood.

I grew up in New York City: Manhattan and Brooklyn and was exposed to the incredible cultural life that great city offers. My parents, especially my mother, took the children to museums or concerts in the city almost every weekend and I still have very vivid memories of those experiences. Music was also an important part of my childhood and all three children learned to play the piano at very early ages, teaching us discipline as well as the love of music. Science too was part of our home and school education and going to the Museum of Natural History was an enormous introduction to the natural world. I feel quite blessed that my mother exposed me to so much and at a very early age.

2. Did you always want to enter in oceanography?

Not really. Science was a formal part of my education from the beginnings. I was pre-med in college but didn't feel a great affinity to the members of the profession. I did a graduate degree in molecular biology but did not like working in a laboratory all the time. Then a trip for 6 months to Europe and Greece took me out of my provincial New York City world view and exposed me to Nature with months traveling by small boats in the Aegean Sea. I decided to switch to the PhD program in oceanography and moved to San Diego California to study at Scripps Institution of Oceanography. This further opened me to Nature and studying the natural world.

3. When you started painting?

My first experiences of art were at around 7 years old when I took sculpture classes at the Brooklyn Museum of Art, which had a program for children and parents. I started painting in 1964 when I bought the loft of a New York artist and inherited all his painting supplies. A few years later I started art classes at the same time as I did my science studies at New York University.

4. Was there any painter in your family history that inspired you?

My mother was extremely talented. She was a world-renowned dental surgeon working in facial reconstruction and also studied sculpture at the well-known Art Institute of Chicago. She also designed and made her own jewelry in gold and silver working in the lost-wax technique (which she taught me). More importantly she inspired me to love art by taking us to the great museums of New York.

5. Who spotted your talent first?

Can't say. I've always been self-motivated and just kept doing my work whether I received recognition or not. At some points, especially my computer art, which was pioneering at the time (early 1980s), my work was well received, published in art history books on the subject and my work sold well.

6. How do you manage paintings in spite of your busy and demanding schedule?

Painting is the deeper part of my soul life. I've been fortunate to have a lot of energy and am very disciplined. I have a daily meditative and yoga practice which helps concentrate my shakti. It's all part of my dharma and my Maya and I just honor it as best I can.

7. Rate in order importance fame, money, power and why?

I don't consider these that important at this stage of my life. I've been blessed with a degree of recognition, ran my own successful businesses focusing on climate change working with the US science agencies, and had enough prosperity to know when I had accumulated enough. Fame for an artist (or anyone seeking to fulfill their desires) is a bit of drug and can have negative impacts on one's development. It takes constant diligence to look at one's development with an objective eye and really examine what's important, and that's an on-going practice until one checks out. The creative life is a gift that comes from the Great Beyond and in turn should be moved forward as a gift to those who come in contact with the work.

8. What is the theme behind your works and what about your chosen character?

The theme of my work for most of my 40+ years of artwork is the preoccupation with energy in it's different forms and how it flows in the Natural world: the water, the land, the mountains, the clouds are all in constant flux...as we are. Perhaps my own high/extreme levels of energy and focus are part of this process. When I paint, there is a total immersion in the process and the energies that I see and feel flow through me.

9. When and how did you realise that you are an artist?

Not something overtly conscious as much as realizing how I was part of a larger energy flow. When I was five years old laying on my back on the green lawn of our home watching the clouds sail by...realizing I was part of them and they were part of me.

10. Is there any difference between your earlier work and now?

Of course, one's work constantly evolves as does one's technique and skill. But the work always demands it's due...sometimes there are struggles with the painting wanting to go in one direction, me in another...and this is part of the process of evolving as a painter. You can see almost 40 years of work on my website: www.energylandscapes.com

11. If not an artist or oceanographer then what would you have been?

I don't think in those terms...I've been fortunate to express myself in with different parts of my brain and feel most grateful to have had these experiences.

12. What are your future projects?

Continuing to paint, sculpt, do videos and work on personal creative projects. In addition, I am committed to doing seva work in India both as a founding member, board advisor to the NGO, My Himachal (www.myhimachal.com) in Himachal Pradesh and as an advisor to the Great Himalayan National Park where I have been involved since 2000 (www.greathimalayannationalpark.com)